खंडवा भास्कर

दैनिक भास्कर | महिला दिवस विशेष | मंगलवार 8 मार्च, 2016

खबरें फटाफट

250 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया

खंडवा | धरमपुरी में महिलाओं को एक दिनी प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम उदय सामाजिक विकास संस्थान ने किया। इसमें 250 महिलाओं ने भाग लिया। इसमें महिलाओं को विकास व सशक्तिकरण के बारे में बताया। प्रशिक्षण में स्पंदन की सीमा प्रकाश, हॉली स्पिरिट की प्राचार्य सिस्टर एलसी, सरपंच मनोज दानल, संस्थान की डायरेक्टर सिस्टर जेन्सी औसेप उपस्थित हुए।

खंडवा-बुरहानपुर

16 | नईदुनिया | इंदौर, सोमवार 21 सितंबर 2015

न्यूज गैलरी

शिविर का शुभारंभ

खंडवा। ग्राम धरमपुरी में रविवार को युवाओं में व्यक्तित्व विकास को लेकर 10 दिवसीय शिविर की शुरुआत की गई। उदय समाजिक संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि फादर जोन्सन व विजय मसानी ने कैरिअर गाइडेंस तथा व्यक्तित्व विकास की जानकारी दी। इस मौके पर संस्था की सिस्टर जैंसी सुपिरियर, सिस्टर सेसिल व प्रवीण काशीराम सहित अन्य मौजूद थे।

अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस विशेषांक

नारियों में अपरिमित शक्ति और क्षमताएँ विद्यमान हैं। व्यवाहरिक जगत के सभी क्षेत्रों में उन्होने कीर्तिमान स्थापित किये हैं। अपने अदभुत साहस, अथक परिश्रम तथा दूरदर्शी बुद्धिमत्ता के आधार पर विश्वपटल पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहीं हैं। मानवीय संवेदना, करुणा, वात्सल्य जैसे भावो से परिपूर्ण अनेक नारियों ने युग निर्माण में अपना योगदान दिया है। ऐसी ही महान नारियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय देने का प्रयास कर रहे हैं।

महिला दिवस का संक्षिप्त इतिहास

अमेरिका में सोशलिस्ट पार्टी के आवाहन, यह दिवस सबसे पहले सबसे पहले यह 28 फरवरी 1909 में मनाया गया। इसके बाद यह फरवरी के आखरी इतवार के दिन मनाया ज़ाने लगा। 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल के कोपेनहेगन के सम्मेलन में इसे अन्तर्राष्ट्रीय दर्जा दिया गया। उस समय इसका प्रमुख ध्येय महिलाओं को वोट देने के अधिकार दिलवाना था क्योंकि, उस समय अधिकतर देशों में महिला को वोट देने का अधिकार नहीं था।

1917 में रुस की महिलाओं ने, महिला दिवस पर रोटी और कपड़े के लिये हड़ताल पर जाने का फैसला किया। यह हड़ताल भी ऐतिहासिक थी। ज़ार ने सत्ता छोड़ी, अन्तरिम सरकार ने महिलाओं को वोट देने के अधिकार दिये। उस समय रुस में जुलियन कैलेंडर चलता था और बाकी दुनिया में ग्रेगेरियन कैलेंडर। इन दोनो की तारीखों में कुछ अन्तर है। जुलियन कैलेंडर के मुताबिक 1917 की फरवरी का आखरी इतवार 23 फरवरी को था जब की ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार उस दिन 8 मार्च थी। इस समय पूरी दुनिया में (यहां तक रूस में भी) ग्रेगेरियन कैलेंडर चलता है। इसी लिये 8 मार्च महिला दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ

खंडवा। रविवार को महिलाओं के भविष्य को उज्जवल बनाने व उनके व्यक्तित्व विकास के लिए महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा प्रकाश, मनोज दानल, प्रवीण काशीराम, प्रीति, सीमा आदि सहित उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उदय सामाजिक विकास संस्थान ने व आभार सिस्टर जेन्सी औसेप ने माना।